आशा पाराशर के कथा संग्रह ‘आदमखोर’का वमिोचन

चर्चा में क्यों?

27 दसिंबर, 2021 को जयपुर की कलानेरी आर्ट गैलरी में आशा पाराशर के पहले कहानी संग्रह ‘आदमखोर’का वमिोचन कयिा गया।

प्रमुख बदिु

- वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शारदा कृष्ण ने कहा कि लेखिका आशा पाराशर ने अपनी कहानियों में समाज के जनि वषियों को उठाया है, वह प्रशंसनीय है।
- वरिष्ठ रंगकर्मी और लेखक डॉ. अशोक राही ने कहा कि आशा पाराशर की कहानियाँ समाज का आईना हैं। कथा संग्रह की प्रत्येक कहानी प्रभावति करती है और जीवन के प्रति लेखिका के एक बल्कुल भन्नि दृष्टकिोण को सामने लाती है। ये कहानियाँ पाठकों को मानसकि रूप से उद्वेलति करती हैं और समाज की वास्तवकिताओं तथा वसिंगतियों के बारे में सोचने के लयि मज़बूर करती हैं।
- हन्दिी प्रचार संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखलि शुक्ला ने कहा कि सामाजकि संदेश देती लेखिका की कहानियाँ जीवन के वभिन्नि चरत्रिों की वास्तवकिता को प्रदर्शति करने वाली हैं। सभी कहानियाँ पठनीय और संदेशपरक हैं।
- वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि सभी कहानियाँ भावप्रवण हैं और मानवीय संवेदनाओं को जगाने वाली हैं। समाज के कसिी-न-कसिी गंभीर वषिय को उठाती ये कहानियाँ लेखिका की सामाजकि सरोकारों के प्रति प्रतबिद्धता को प्रदर्शति करती हैं।
- लेखिका आशा पाराशर ने अपनी पुस्तक के बारे में बताया कि अपनी कहानियों में उन्होंने शहरी मध्यवर्ग की कथाओं को ज़िंदा करने की कोशशि की है। उनकी कहानियाँ आम आदमी की संक्षप्ति आत्मकथाएँ हैं। उन्होंने बताया कि इस संग्रह में कुल 23 कहानियाँ हैं। हन्दिी कहानियों की यह उनकी प्रथम पुस्तक है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/asha-parashar-s-story-collection-adamkhor-released